पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-IV

Hindi

Specimen copy

Year- 2021-22

Semester- 1

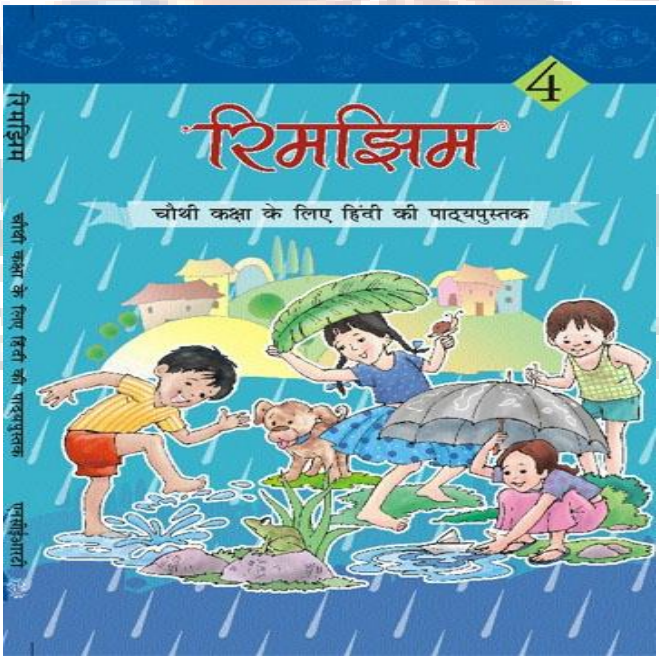

पाठः३
किरमिच की गेंद
लेखकः शांताकुमारी जैन

पाठ का सार : गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कहानी पढ़ रहा था क तभी बगीचे में धम से कसी चीज के गरने की आवाज हुई। दिनेश तुरंत बगीचे की ओर दौड़ पड़ा। वहाँ उसने भं डयों के पौधों को उलटा-पलटा, सीताफल की बेल छान मारी, परन्तु उसे कुछ मला नहीं। ढूँढते-ढूढते अचानक उसकी निगाह घूस के गड्ढे के ऊपर गई। वहाँ एक नई चमचमाती कर मच की गेंद पड़ी थी। उसने इधर-उधर देखा। सभी घरों के दरवाजे और खड़ कयाँ बंद थे। इस लए दिनेश को लगा क हो सकता है यह गेंद बाहर से आई हो। तभी माँ की आवाज सुनकर वह गेंद उठा लया और कमरे के अंदर आ गया। ठंडे फर्श पर बिछी चटाई पर लेटकर वह सोचने लगा-भले ही यह गेंद मोहल्ले में से कसी की न हो, कन्तु ईमानदारी इसी में है क एकबार सबसे पूछ लया जाए।

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। खेलने की सु वधा को ध्यान में रखते हुए एक क्लब बनाया हुआ था। शाम को सारे बच्चे यहीं एकत्रित हुए। दिनेश ने सबसे पूछा-मुझे एक गेंद मली है। अगर तुममें से कसी की गेंद खो गई हो, तो वह गेंद की पहचान बताकर गेंद मुझसे ले सकता है। अनिल, सुधीर, दीपक सभी ने गेंद पर अपना अ धकार जताना शुरू कया। ले कन दिनेश अच्छी तरह जानता था क यह गेंद तीनों में से कसी की नहीं है। फर भी दीपक बार-बार कहे जा रहा था-गेंद मेरी है और सर्फ मेरी है। अनिल उसकी बात काटते हुए बोल पड़ा-क्या सबूत है क यह गेंद तेरी ही है? फर दोनों में ठन गई। दिनेश ने देखा क झगड़ा बढ़ रहा है। गेंद ह थयाने के लए दीपक सुधीर और सुनील का सहारा ले रहा है। वह जानता था क यदि गेंद दीपक के पास चली गई तो ये तीनों मलकर खेलेंगे। अंत में वह गेंद दिखा दिया ले कन साथ में यह भी कहा क जो पक्का सबूत देगा, वही गेंद ले जाएगा।

गेंद देखते ही दीपक बोल पड़ा-यही मेरी गेंद है। यह लाल रंग का निशान मेरी ही गेंद पर था। ले कन उसकी बात पर कसी को भरोसा नहीं हो रहा था। दीपक क्रोध में आ गया। उसने कहा-मैं इसे सड़क पर फेंक दूंगा। और उसने जैसे ही गेंद को सड़क पर फेंकने के लए हाथ उठाया क अनिल और दिनेश ने उसे पकड़ लया। वास्तव में दिनेश का मन सबके साथ मलकर उस गेंद से खेलने को कर रहा था। इस लए उसने सबसे कहा-झगड़ा बाद में कर लेंगे। अपने-अपने बल्ले ले आओ, पहले खेल लें। पाँच मनट के भीतर ही खेल आरंभ हो गया। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था क वह गेंद जोर से उछली और दरवाज़ा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गरी। तेज़ी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई। बच्चे स्कूटर के पीछे भागे कंतु जल्दी ही रुक गए। वे समझ गए क स्कूटर के पीछे भागना बेकार है। फर वे सभी ठहाका मारकर हँस पड़े।

कठिन शब्दः

- भं डयों
- उलटा–पलटा-
- गेंद
- भरोसा
- सहारा
- ईमानदारी
- क्लब
- भीतर
- बल्लेबाजी
- स्कूटर
- ठहाका
- वास्तव

शब्दार्थः

- **लू–गर्म हवा**
- **आवाज– ध्वनी**
- **चतुर–चालाक**
- **मित्र–दोस्त**
- **धरती–भूमी**
- **भवन–मकान**
- **सुविधा–आराम**
- **निशान–चिह्न**
- **आजमाना–परखना**
- **आरंभ–शुरुआत**
- **बेइमान–धोखेबाज**

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

१–दिनेश घर मे बैठा– बैठा क्या कर रहा था?

उत्तऱ– (क) खेल रहा था (ख) कहानी पढ़ रहा था।
(ग) टींवी देख रह था (घ) गाने सुन रहा था

२–दिनेश के घर के बगीचे की क्यारियों के चारो ओर कौन से वृक्ष लगे हुए थे?

उत्तऱ– (क) आम के (ख)सेब के
(ग) केले के (घ)नीबू के

३–दिनेश के मोहल्ले में बच्चों ने खेलने की सुविधा के लिए क्या बनाया हुआ था?

उत्तऱ– **(क) क्लब** (ख)संस्था
(ग) मंडली (घ)टोली

४–अनिल की गेंद कितने महीने पहले खोई थी?

उत्तऱ– (क) आम के (ख)सेब के
(ग) केले के (घ)नीबू के

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१-बच्चो के खेलने के कम मे गेंद कहाँ जा गिरी?
उत्तऱ- बच्चो के खेलने के कम मे गेंद स्कूटर मे बनी जालीदार टोकरी में जा गिरी

२-बगीचे मे आवाज होने के समय दिनेश की माँ क्या कर रही थी?
उत्तऱ- बगीचे मे आवाज होने के समय दिनेश की माँ मशीन चला रही थी।

२-गड्ढे के ऊपर दिनेश को क्या दिखाई दिया?
उत्तऱ- गड्ढे के ऊपर दिनेश को किरमिच की गेंद दिखाई दी।

३-क्लब मे सभी बच्चे गेंद खरीदने के लिए क्या करते थे?
उत्तऱ- क्लब मे सभी बच्चे गेंद खरीदने के लिए आपस मे चंदा इक्ट्ठा करते थे।

४-दिनेश द्वारा गेंद के बारे मे पूछे जाने पर किस -किस ने कहा कि गेंद मेरी है?
उत्तऱ- दिनेश द्वारा गेंद के बारे मे पूछे जाने पर सुनिल,सुधीर,अनिल और दीपक ने कहा कि गेंद मेरी है।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-अनिल ने दीपक की बात क्यों काट दी?
उत्तऱ- अनिल ने दीपक की बात इसलिए काट दी क्योकि अनिल को गेंद चाहिए थी।

२-दिनेश ने अपने मित्रो से क्या पूछा था?
उत्तऱ- दिनेश ने अपने मित्रो से पूछा था कि यह गेंद किसकी है।

३-दिनेश को यह बात कैसे पता चली कि गेंद दीपक की नही है?
उत्तऱ-दिनेश को यह बात पता चली तब दीपक ने कहा कि मेरी गेंद पाँच महीने पहले खोई थी।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-दिनेश की माँ उसे बाहर जाने से क्यों रोक रही थी?
उत्तऱ- दिनेश की माँ उसे बाहर जाने से रोक रही थी क्यो कि बाहर बहुत गर्मी थी और लू चल रही थी।

२-गेंद मिलने पर दिनेश के मन में कौन - कौन से विचार आए?
उत्तऱ- गेंद मिलने पर दिनेश के मन मे विचार आए कि यह गेंद किसकी है,मुझे सबसे पहले पूछना चाहिए। तभी मै उसकी गेंद उसको दे पाउगाँ।

३-गेंद से संबधित झगड़े का अंत कैसे हुआ?

उत्तर-जब सारे बच्चे एक हो कर गेंद के साथ खेलने लगे तब सारे बच्चो के झगडें का अंत आ गया ।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-दिनेश बरामदे की चिक सरकाकर बाहर की ओर भागा। (सही)

२-दीपक की गेंद दो महीने पहले खोई थी। (गलत)

३-दीपक अपना मतलब सिद्धकरने तथा अवसर पडने पर सभी को मित्र बना लेने मे चतुर था। (सही)

४-गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और अनिल का सहारा ले रहा था। (गलत)

५- नई गेंद एकदम ज़ोर से उछली और दरवाजा पार कर सड़क पर पहुँच गई। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-धरती *तवे* की तरह तप रही थी।

२-सामने की क्यारी में *भिंडियो* के ऊँचे-ऊँचे पौधे थे।

३-दिनेश *गेंद* को हाथ मे लिए हुए भीतर आ गया।

४-गेंद देखकर *निशानी* बताना कौन सा कठिन काम है।

५-सभी गेंद पर ऐसे ही *निशानी* होते है।

पयार्यवाची शब्द

बादल - मेघ, घन
घोड़ा - अश्व, तुरंग
पक्षी - खग, विहग
घर - मकान, गृह
हाथी - गज, कुंजर
रात - रात्री, निशा
ईश्वर - प्रभु, भगवान
समुद्र - सागर, सिंधु
पहाड़ - पर्वत, गिरि
चंदमा - चंद, शशि

विलोम शब्द

गुरु × शिष्य
देव × दानव
सजीव × निर्जीव
अपना × पराया
हानि × लाभ
आदि × अंत
उदय × अस्त
आकाश × पाताल
अमृत × विश
ऊँच × नीच

व्याकरण विभाग
सर्वनाम

संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द को सर्वनाम कहते है।
(मैं, हम, तुम , आप, यह, वह, कोई, कुछ कौन , क्या, जो, सो)

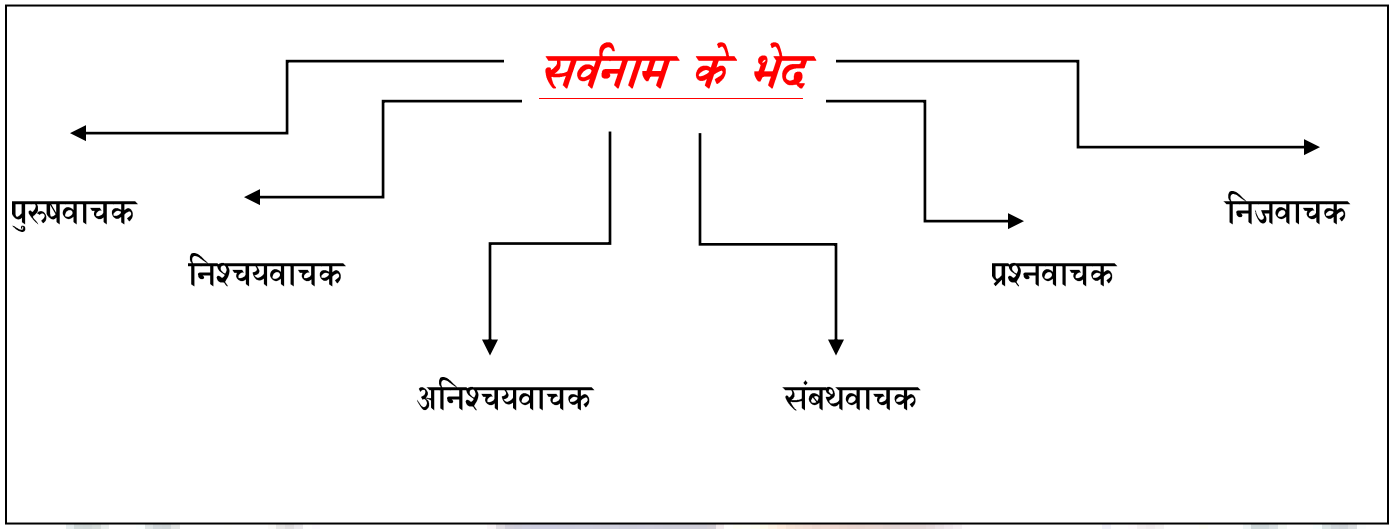

- पुरुषवाचक सर्वनामः बोलने वाले सुनने वाले तथा जिसके विषय में बात होती है, उनके लिए प्रयोग किए जाने वाले सर्वनाम ' पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते है।

उदाहरणः

- तुम कहाँ जा हे हो।
- मैं उसके घर जार हा हूँ

(क) उत्तम पुरुष : मैं, हम, हमारा, मुझे, मेरा

(ख) मध्यम पुरुष : तू, तुम, तुम्हारा, आप, आपका

(ग) अन्य पूरुष : वह, उस, उसका, उन, उनका, उनके

उदाहरणः

- यह यंत्र मैने बनाया है।
- बारिश मे हमारी पुस्तकें भीग गई।
- तुम इधर बैठो।
- आरती को तुमसे कुछ काम है।

- वह कल नही खेला।
- वे चित्र बना रहे है।

➢ निश्चयवाचक सर्वनाम :जो सर्वनाम शब्द किसी निश्चित व्यकित ,वस्तु,अथवा घटना की ओर संकेत करते है,उन्हे निश्चयवाचक सर्वनाम कहा जाता है।

उदाहरणः

- यही मान्या का घर है
- माँ इसी ने मेरी मदद की थी।

➢ अनिश्चयवाचक सर्वनाम :जो सर्वनाम शब्दो से किसी निश्चित व्यकित ,वस्तु का बोध न हो ,उन्हे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरणः

- लगता है,माँ बाजार से कुछ लाई है।
- देखो,इस रास्ते से कोई आर हा है।

➢ संबंधवाचक सर्वनामः जो सर्वनाम शब्द वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम के बीच संबंध बताते है,उन्हे संबंधवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरणः

- उठो बेटा ।जो सोता है , वह खोता है।
- जिसने नीली कमीज पहनी है,उसका नाम कनिष्क है।

➢ प्रश्नवाचक सर्वनाम : जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हे पंश्नवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरणः

- वहाँ कौन खड़ा है?
- गिलास किसने तोड़ा?
- घंटी किसने बजाई?
- तुम्हे क्या चाहिए?
- यह घड़ी किसकी है?

- निजवाचक सर्वनाम : जिन सर्वनाम शब्दो का प्रयोग कर्ता के साथ अपनेपन का ज्ञान कराने के लिए किया जाए उन्हे निजवाचक सर्वनाम कहते है।

उदाहरण:

- बेटा, तुम रहने दो, मै स्वयं कर लूँगा।
- माँ, मैं अपने-आप चली जाउगी।

लेखन विभाग

अनुच्छेद वर्षा ऋतु

- **वर्षा ऋतु हमारे लिए ढेर सारी खुशियो की बौछार लेकर आती है।**
- **भारत मे वर्षा ऋत एक बेहद ही महत्वपूर्ण ऋत है।**
- **वर्षा ऋतु आषाढ़ ,श्रावण तथा भादों मास मे मुख्य रुप से होती है।**
- **वर्षा ऋतु मुझे बहुत पंसद है।**
- **यह भारत के चार ऋतु मे से मेरी प्रिय ऋतु है।**
- **यह गर्मी के मौसम के बाद आती है।**
- **वर्षा ऋतु आकाश बहुत साफ हो जाता है।**
- **वर्षा ऋतु मे सात रंग वाला इन्द्रधनुष दिखाई देता है।**
- **पूरा वातावरण साफ और आकर्षक दिखाई देता है।**
- यह ऋतु संसार को जीवन देती है।
- प्यासे को पानी देती है, और मां की तरह सभी पृथ्वी के जीवों का पालन पोषण करती है।
- भारत में ग्रीष्म ऋतु के ठीक बाद वर्षा ऋतु का आगमन होता है।
- इसके प्रभाव से प्रकृति लहलाह उड़ती है।
- वर्षा ऋतु के मुख्य त्योहार हैं:-, आषाढ़ अमावस्या, जगन्नाथ पुरी रथ यात्रा, देवशयनी एकादशी, चतुर्मास व्रत नियम, गुरु पूर्णमा, सावन सोमवार व्रत, नाग पंचमी, रक्षाबंधन, कजरीतीज, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी जैसे त्यौहार मनाये जाते है।

चित्र लेखन

प्र-1-चित्र किस जगह का है?

उत्तरः यह चित्र बगीचे का है।

प्र-2-चित्र में कितने बच्चे हैं?
उत्तरःचित्र मे पाँच बच्चे है।

प्र-3-चित्र में कितने झूलें हैं ?
उत्तरःचित्र मे एक झूला है।

प्र-4-चित्र में कितने पेड़ हैं?
उत्तरःचित्र मे चार पेड़ है।

प्रवृत्तिः किसी भी एक खेल का चित्र बनाए ।

पाठः४
पापा जब बच्चे थे
लेखकःअलेक्सांद रस्किन

पाठ का सारः पापा जब छोटे थे तो उनसे अक्सर पूछा जाता था क वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। पापा का जवाब कभी एक जैसा नहीं होता। शुरू-शुरू में वे चौकीदार बनना चाहते थे क्यों क जब पूरा शहर सोता है तब चौकीदार जागता है। फर उनकी नजर आइसक्रीम वाले पर गई और उन्होंने ठान लया क वे आइसक्रीम वाला बनेंगे। ठेले को लेकर घूमते हुए वे खूब आइसक्रीम खाएँगे। पापा के माता- पता उनकी इस बात पर खूब हँसे । एक दिन पापा ने रेलवे स्टेशन पर शंटिग करने वाले आदमी को देख लया। फर क्या था। उन्होंने कहना शुरू कया क वे बड़े होकर रेलगाड़ी के डब्बों की शंटिग करेंगे।

इसपर कसी ने उनसे पूछा- फर आइसक्रीम बेचने के काम का क्या होगा? पापा ने जवाब दिया क वे शंटिग करने वाला और आइसक्रीम बेचने वाला दोनों बनेंगे। जब उनसे पूछा गया क वे दोनों काम एक साथ कैसे करेंगे तो पापा ने जवाब दिया क वे सुबह में आइसक्रीम बेचा करेंगे और उसके बाद स्टेशन चले जाएंगे। कुछ देर डब्बों की शंटिग करने के बाद वे फर आइसक्रीम बेचने आ आएंगे। कुछ देर आइसक्रीम बेचकर फर स्टेशन चले जाएँगे। सभी हँस पड़े। ले कन पापा गुस्सा हो गए।

एक दिन अचानक पापा को वायुयान चालक बनने की सूझी। इसके बाद उन्होंने अ भनेता बनने की सोची। इसके अलावा वे जहाजी और बरवाहा भी बनना चाहते थे। अंत में एकदिन उन्होंने तय कर लया क वह असल में कुत्ता बनना चाहते हैं। उन्होंने बहुत जल्दी भौंकना भी सीख लया। ले कन वह अपने पैर से कान के पीछे खुजाना नहीं सीख पाए। इसके लए वे कुत्ते के पास जाकर बैठ गए। उसी समय एक अजनबी फौजी अफसर उधर से निकला। वह खड़ा होकर पापा को देखने लगा।

फर उसने पूछा-यह तुम क्या कर रहे हो? पापा ने जवाब दिया-मैं कुत्ता बनना सीख रहा हूँ। फौजी अफसर ने फर सवाल कया-तुम कुत्ता बनना क्यों चाहते हो? तब पापा ने जवाब में कहा क वह बहुत दिनों तक इंसान बनकर रह चुके हैं। इसपर फौजी अफसर ने उनसे पूछा-इंसान कसे कहते हैं? पापा ने कहा-आप ही बता दीजिए। इसके बाद अफसर यह कहकर चला गया क इसके बारे में तुम स्वयं सोचो। पापा सोचने लगे। अचानक यह बात उनकी समझ में आ गई क वह रोज़-रोज़ अपना इरादा नहीं बदल सकते। और अंत में उन्होंने तय कर लया क वे एक अच्छा इंसान बनेंगे।

कठिन शब्दः

- **अक्सर**
- **आइसक्रीम**

- शंटिगवाला
- रेल्वे-स्टेशन
- समस्या
- रेलगाडी
- प्लेटफार्म
- इंजन
- अफसर
- फौ़जी
- अचानक
- इरादा

शब्दार्थः

- यकीन : भरोसा
- रेल्वे-स्टेशन : जहाँ ट्रेन आती है
- समस्या : तकलीफ
- पानी : जल
- मुश्किल :कठिन
- गुस्सा :क्रोध
- इंसान : आदमी
- फौजी : देश की रक्षा करने वाला
- जवाब : उत्तर
- अचानक :एका-एक

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकल्पिक उत्तर लिखिए।

१ःशुरु-शुरु मे पापा क्या बनना चाहते थे?

उत्तरः (क) आइस्क्रीम वाका (ख) चौकीदार

(ग) डाक्टर (घ) अध्यापक

२ःआइसक्रीम के ठेले का रंग कैसा था?

उत्तरः (क)पीला (ख) हरा

(ग) लाल (घ) नारंगी

३ःपापा आइसक्रीम का ठेला कहाँ खड़ा करना चाहते थे?

उत्तरः (क) घर के पास (ख) पार्क के पास

(ग) स्कूल के पास (घ) स्टेशन के पास

४ःअंत मे पापा ने क्या बनने का निश्चय किया?

उत्तरः (क)फौजी (ख) इंसान

(ग)चौकीदार (घ) इनमे से कोई नही

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१-पापा के अनुसार चौकीदार बनने का क्या फायदा है?

उत्तरःपाप के अनुसार चौकीदार बनने का फायदा था कि सारा शहर सोता है तब चौकीदार जागता है।

२-स्टेशन पर अजीब खेल खेलने वाला व्यकित कौन था?

उत्तरः स्टेशन पर अजीब खेल खेलने वाला व्यकित शंटिग वाला था।

३-आइस्क्रीम बेचने के लिए पापा ने कौन सा समय चुना?

उत्तरः आइस्क्रीम बेचने के लिए पापा ने सुबह का समय चुना।

४-जब पापा कुत्ता बनकर बैठे हुए थे,तब वहाँ से कौन गुजरा?

उत्तरः जब पापा कुत्ता बनकर बैठे हुए थे,तब वहाँ से फौजी गुजरा।

निम्नलिखि प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।-

१-पापा आइस्क्रीम बेचने वाला बनने की बात पर क्यो अड रहे?

उत्तरः पापा आइस्क्रीम बेचने वाला बनने की बात पर अदे रहे क्योकि उन्होने सोचा कि अच्छा लगा तो ठीक नही तो आइस्क्रीम बेचते बेचते खा लेगे।

२-शंटिग किसे कहते है?

उत्तरःशंटिग करने वाला व्यकित जब रेलगाडी अपनी यात्रा पूरी करता है तब उसको अगली यात्रा के लिए तैयार करता है।

३-फौजी ने पापा से क्या पूछा और उन्होने क्या उत्तर दिया?

उत्तरः फौजी ने पापा से पूछा कि तुम क्या बनना चाहते हो तब पापा ने कहा कि मैं अच्छा इंसान बनना चाहता हूं।

४-पापा ने किस जवाब को सबसे अच्छा माना और क्यो?

उत्तरःपापा ने इंसान बनने की बात को सबसे अच्छा माना क्योकि इंसान बनना बहुत अच्छी बात है।

निम्नलिखि प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-पापा आइसक्रीम बेचने और शंटिग करने का काम एक साथ कैसे करते?

उत्तरःपापा सुबह आइसक्रीम बेचते और दोपहर को स्टेशन जाकर करने का काम करते इस तरह दोनो काम एक साथ करते ।

२-पापा को अफसर की कौन -सी बात समझ में आ गई थी?उसका क्या परिणाम हुआ?

उत्तरःपापा को अफसर की इंसान बनने की बात समझ मे आ गई।और उसका यह परिणाम यह हुआ कि पापा अच्छा सोचने लगे।

३-"पापा जब बच्चे थे"कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तरः "पापा जब बच्चे थे"कहानी से हमें शिक्षा मिलती हैकि हमें कभी अपने इरादे बदलने नही चाहिए।और हमे हमेशा अच्छा इंसान बनना चाहिए।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-जब सारा शहर सो जाता है,तब चौकीदार जागता है। (सही)
२-पापा आइसक्रीम बनना नही चाहते है। (गलत)
३-एक दिन रेल्वे स्टेशन पर उन्होने एक अजीब आदमी को देखा। (सही)
४-पापा चौकीदार और शंटिग करने वाला दोनों नही बनना चाहते थे। (गलत)
५-एक दिन पापा ने वायुयान चालक बनने का निर्णय लिया। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-छोटे बच्चो को तो मैं **मुफ्त** मे आइसक्रीम दिया करुँगा।
२-यह आदमी इंजनो और डिब्बो से **खेल** रहा था।
३-वह **चरवाह** बनकर गायो के पीछे घूमते हुए दिन बिताना चाहते थे।
४-मैं काफी दिन तक **अफसर** बनकर रह चुका हूँ।

व्याकरण विभाग

लिंग

शब्द के जिस रुप से पुरुष जाति या स्त्री जाति का बोध होता हो उसे लिंग कहते है।

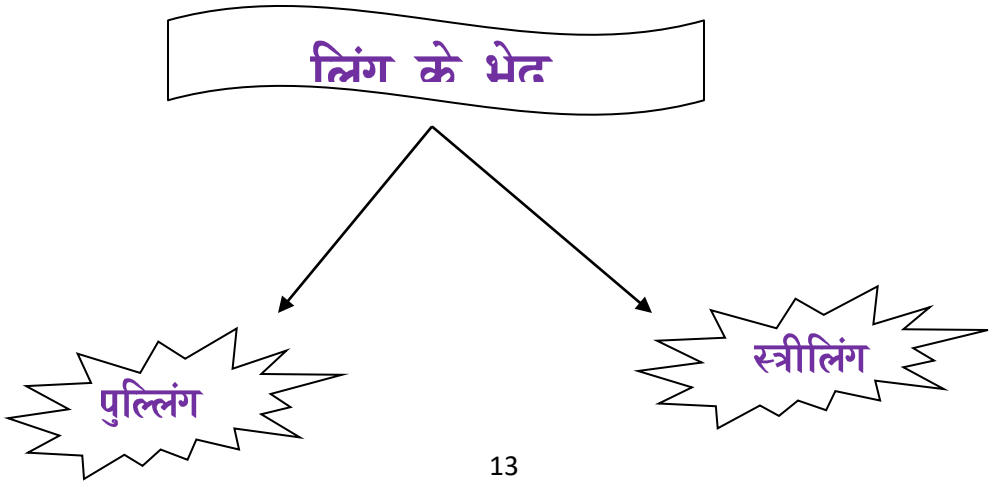

पुल्लिंग : शब्द के जिस रूप से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते है।

पुल्लिंग शब्द की पहचानः पुल्लिंग शब्द के अन्दर देश, ग्रह , द्वीप, सागर, पर्वत, समय, दिन, महीने, अनाज रत्न, धातु वर्णमाला के अक्षर, पदार्थ, शरीर के अंग ये सब सदा पुल्लिंग मे होते है।

उदाहरण : बाजार चलते ह, मुझे सुनार से कुछ आभूषण बनवाने है।

नही, आज मुझे सभा म जाना है, वहाँ लेखक, कवि, विद्वान और शिक्षक आ रहे है।

स्त्रीलिंग : शब्द के जिस रूप से स्त्रीजाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते है।

स्त्रीलिंग शब्द की पहचानः नक्षत्र, नदी, बोली, भाषा, तिथी, भोजन, कुछ मसाले, आभूषण और परिधान के नाम और शरीर के अंगो के नाम सदा स्त्रीलिग मे होते है।

उदाहरण : माँ, हमने पुस्तक मेले मे लेखिकाओ, कवयित्रियो और विदुषी स्त्रियो से भेंट की।

लेखन विभाग- पत्र लेखन

पत्र लिखने का तरीका :

प्रेषक का पता :

दिनांक :

संबोधन :

अभिवादन :

विषय - वस्तु :

प्रेषक का नाम :

पत्र के दो प्रकार होते है।

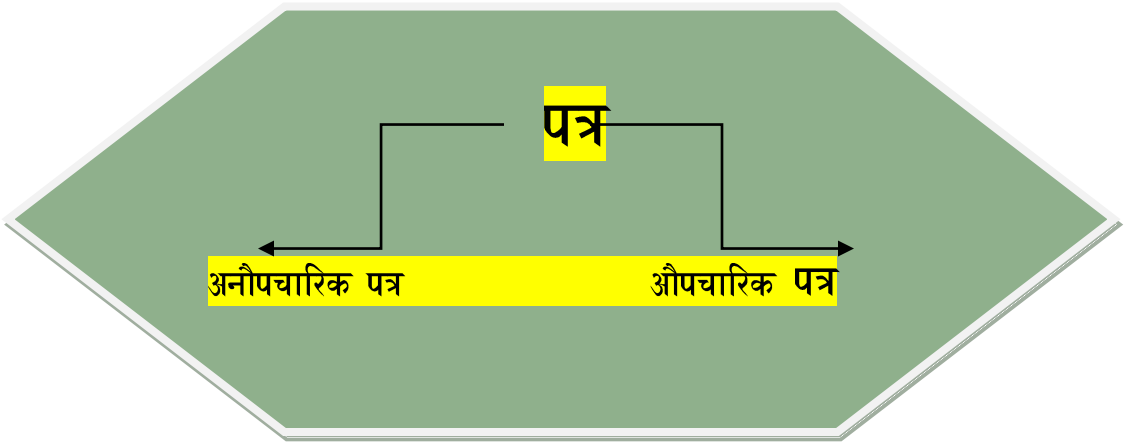

अनौपचारिक पत्र : अनौपचारिक पत्र संबंधियो व मित्रो को लिखे जाते है।

औपचारिक पत्र : औपचारिक पत्र को तीन वर्गो मे बाँटा जाता है।

- प्रार्थना - पत्र
- कार्यालयी - पत्र
- व्यावसायिक - पत्र

औपचारिक पत्रः विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्रधानाचार्य को पत्र लिखे।

13, गीता भवन,

शक्ति कुंज, सेक्टर-12

गाँधीनगर

दिनांक :22/5/2021

सेवा मे

प्रधानाचार्य

पुना इन्टरनेशनल स्कुल

गाँधीनगर

माननीय महोदय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय मे कक्षा चौथी का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का तबादला गाँधीनगर से दिल्ली हो गया है।हमारा पूरा परिवार दिल्ली जा रहा है।इस कारण मुझे यह विद्यालय छोडना पडेगा।अतः आपसे निवेदन है कि मुझे विद्यालय छोडने का प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करे।

आशा है, आप मेरी प्रार्थना पर शीघ्र ध्यान देंगे।मै आपकी बहुत आभारी रहूँगी।

धन्यवाद
आपका छात्र
अपना नाम

प्रवृति : ट्रेन का चित्र बनाए और उसमे रंग भरे।